

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र  
मोदीपुरम-250110, मेरठ (उ.प्र.)



ICAR-Central Potato Research Institute-Regional Station  
Modipuram-250110, Meerut (UP)

डा. मनोज कुमार  
संयुक्त निदेशक

पत्रांक : 16-1/2020-21/  
दिनांक : 12 जनवरी, 2021

सेवा में

निदेशक  
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण उ०प्र०  
2-सप्रू मार्ग, लखनऊ 226 001 (उ०प्र०)।

विषय : मध्य उत्तर प्रदेश में आलू की फसल में पिछेता झुलसा बीमारी के सम्बन्ध में।


महोदय

संस्थान को उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर (चौबेपुर) एवं फर्रुखाबाद (फतेहगढ़) जनपदों में पिछेता झुलसा का प्रकोप होने की सूचना प्राप्त हुई है। अतः आप से अनुरोध है कि आप अपने स्तर पर उपलब्ध प्रचार-प्रसार के साधनों का प्रयोग करके किसान भाइयों को इसकी सूचना दें। साथ ही साथ कानपुर नगर एवं फर्रुखाबाद जनपदों के आस-पास के जनपदों के किसानों को भी पिछेता झुलसा के प्रति सचेत करें।

जिन किसान भाइयों ने आलू की फसल में अभी तक फफूंदनाशक दवा का पर्णिय छिड़काव नहीं किया है या जिनकी आलू की फसल में अभी पिछेता झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है, उन सभी किसान भाइयों को यह सलाह दी जाती है कि वे मैन्कोजेब/प्रोपीनेब/क्लोरोथेलोनील युक्त फफूंदनाशक दवा का 0.2-0.25 प्रतिशत की दर से अर्थात् 2.0-2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर छिड़काव तुरन्त करें। साथ ही साथ यह भी सलाह दी जाती है कि जिन खेतों में बीमारी प्रकट हो चुकी हो उनमें किसी भी फफूंदनाशक-साईमोक्सेनिल + मैन्कोजेब का 3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से अथवा फेनोमिडोन + मैन्कोजेब का 3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से अथवा डाईमैथोमार्फ 1.0 किग्रा. + मैन्कोजेब 2.0 किग्रा. (कुल मिश्रण 3.0 किग्रा.) प्रति हैक्टेयर (1000 लीटर पानी) की दर से छिड़काव करें। यदि बारिश की संभावना बनी हुई तो फफूंदनाशक के साथ स्टिकर (चिपचिपा) को 0.1 प्रतिशत की दर से मिलाकर छिड़काव करें।

फफूंदनाशक को दस दिन के अन्तराल पर दोहराया जा सकता है। लेकिन बीमारी की तीव्रता के आधार पर इस अन्तराल को घटाया या बढ़ाया जा सकता है। किसान भाइयों को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि एक ही फफूंदनाशक का बार-बार छिड़काव ना करें।

भवदीय

  
(मनोज कुमार)